pky peRdkj

गीता धर्मराजन

चित्रांकनः सुब्बा घोष

यह किताब

....

की है।

dFkk d fo"k; e

कथा एक लाभ निरपेक्ष संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में हुई। शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में कथा का अनूठा योगदान है। कथा झुग्गी-झोपड़ी, बस्तियों और सरकारी स्कूलों में काम करती है ताकि हर बच्चा मज़े के लिए और अच्छी तरह पढ़ सके। महिलाओं और अध्यापिकाओं के द्वारा कथा बच्चों में उनकी प्रतिभा को उजागर करने में मदद करती है।

हमारी किताबें, वर्कशॉप और शिक्षण केन्द्र, कहानी के माध्यम से विभिन्न संस्कृतियों को जोड़ती हैं। कथा का अनुवाद के क्षेत्र में किया हुआ काम भारतीय प्रकाषन के इतिहास में अनूठा माना जाता है। इसे *इकोनोमिक टाइम्स* ने इन शब्दों में सराहा है, "A unique and special moment in Indian publishing history ..."

कथा की पुस्तकों को विश्व स्तर पर ख्याति मिली है। अंतर्राष्ट्रीय ज्युरी द्वारा प्रतिष्ठित एस्ट्रिड लिंडग्रिन पुरस्कार के लिए भी कथा का नामाँकन किया गया है। बाल साहित्य के क्षेत्र में यह पुरस्कार विश्व में सबसे बड़ा माना जाता है।

कथा नवीन एवं अनुभवी लेखकों, अनुवादकों और चित्रकारों के साथ काम करती है।

क्या आपको बच्चों के लिए लिखना, चित्र बनाना, अनुवाद करना अच्छा लगता है? तो अपनी प्रतिलिपि इस ईमेल आई डी पर भेजें: editors@katha.org, और बनें कथा परिवार का हिस्सा।

"[Katha] ... an educational jewel in India's crown."
— **Naoyuki Shinohara, Deputy Managing Director, International Monetary Fund**

"Katha stands as an exemplar for all the creative projects around the world that grapple with ordinary and dramatic misery in cities." — **Charles Landry, The Art of City Making**

"Katha has a real soft corner for kids. Which is why it … create[s] such gorgeous picture books for children."
— **Time Out**

"Katha's work is driven by the idea that children can bring change to their communities that is sustainable and real, just as the children do in [their books]." — **Papertigers**

Copyright © KATHA

pky peRdkj

गीता धर्मराजन

चित्रांकनः सुब्बा घोष

KATHA

Copyright © KATHA

आज से लगभग एक हज़ार साल पहले, दक्षिण भारत में एक राजा था। वह था चोल राज्य का राजा, राज राज चोल। वह दुनिया का सबसे बड़ा मन्दिर बनवाना चाहता था और उसके ऊपर एक बहुत भारी पत्थर का शिखर रखना चाहता था।

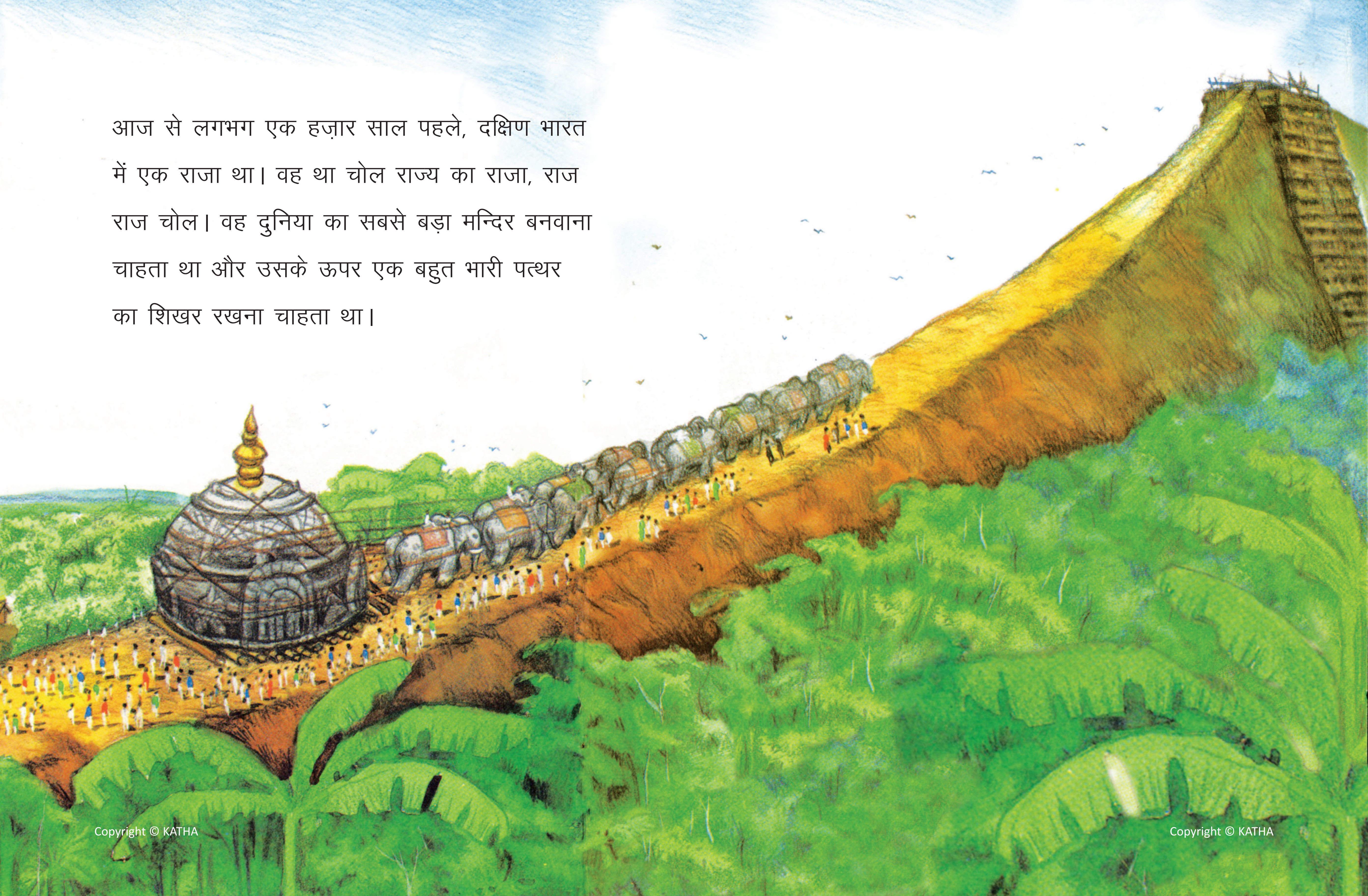

Copyright © KATHA
Copyright © KATHA

उस वक्त, आजकल की तरह
यंत्र तो थे नहीं, इसलिए उसने
मिट्टी की लम्बी ढलान बनाकर
शिखर ऊपर ले जाना चाहा।

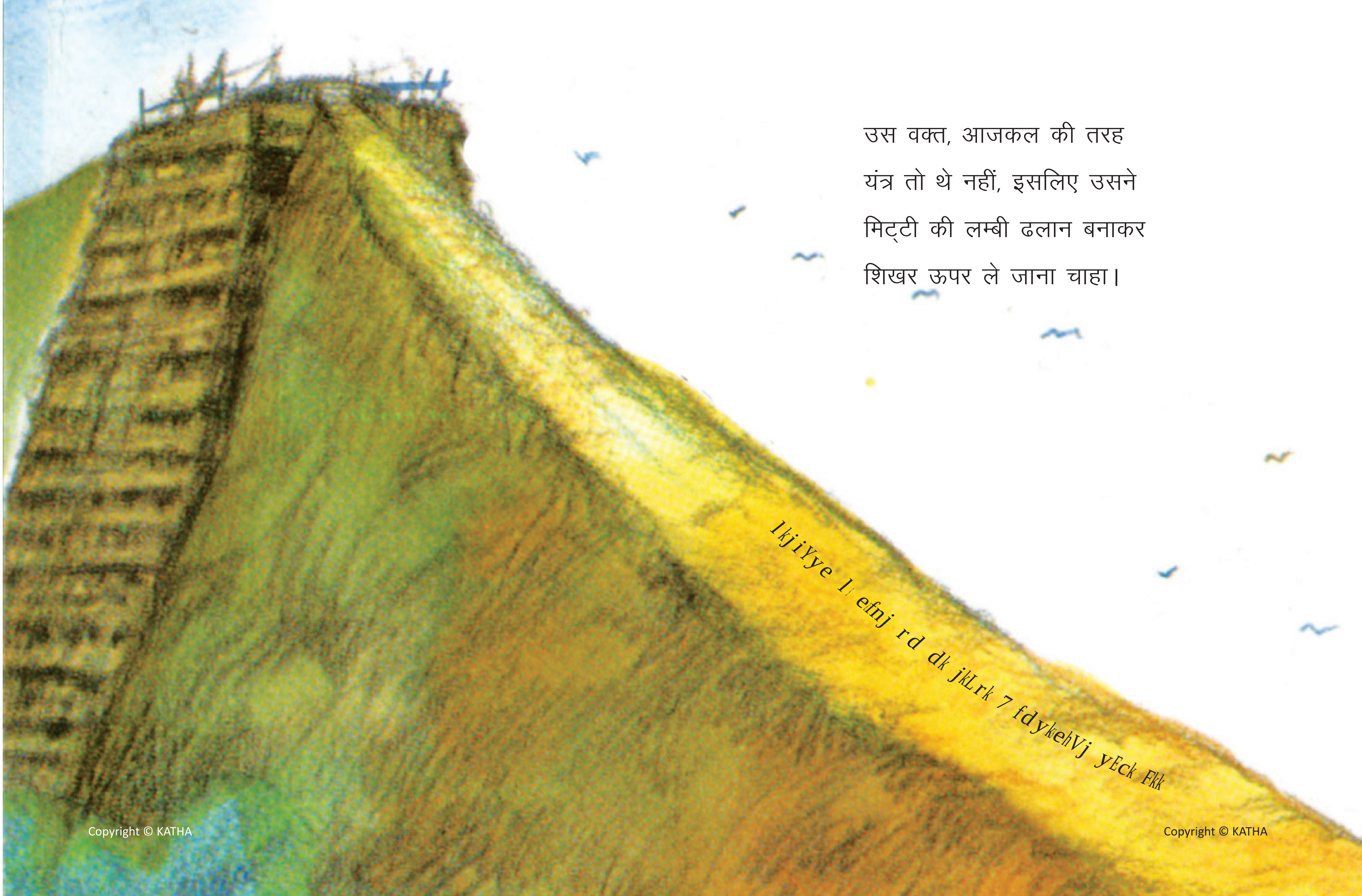

Copyright © KATHA
Copyright © KATHA

एक ही पत्थर से बने शिखर का
वज़न 25 हाथियों के बराबर था।

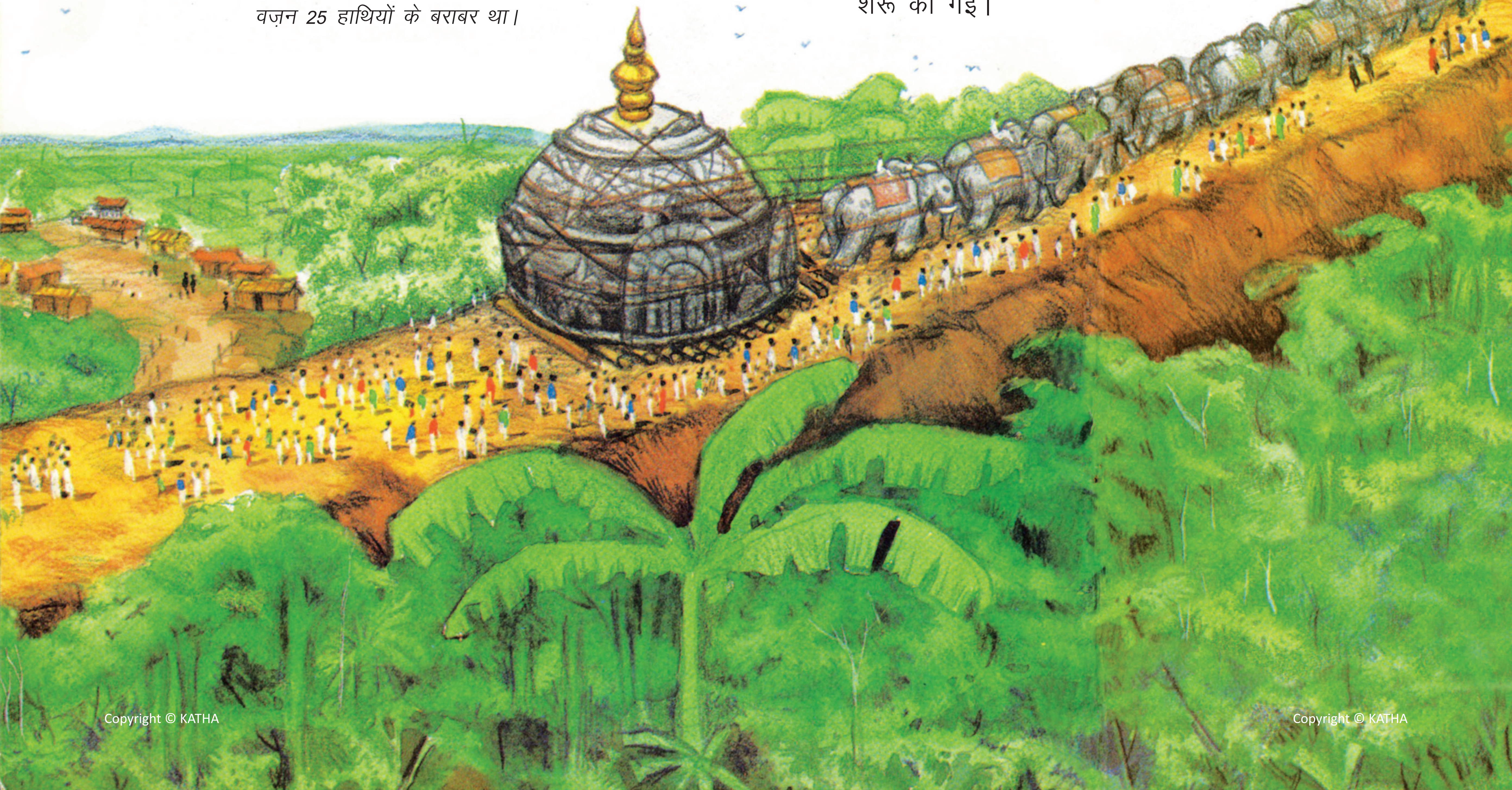

ढलान सारपल्लम नाम के एक गाँव से
शरू की गई।

Copyright © KATHA

Copyright © KATHA

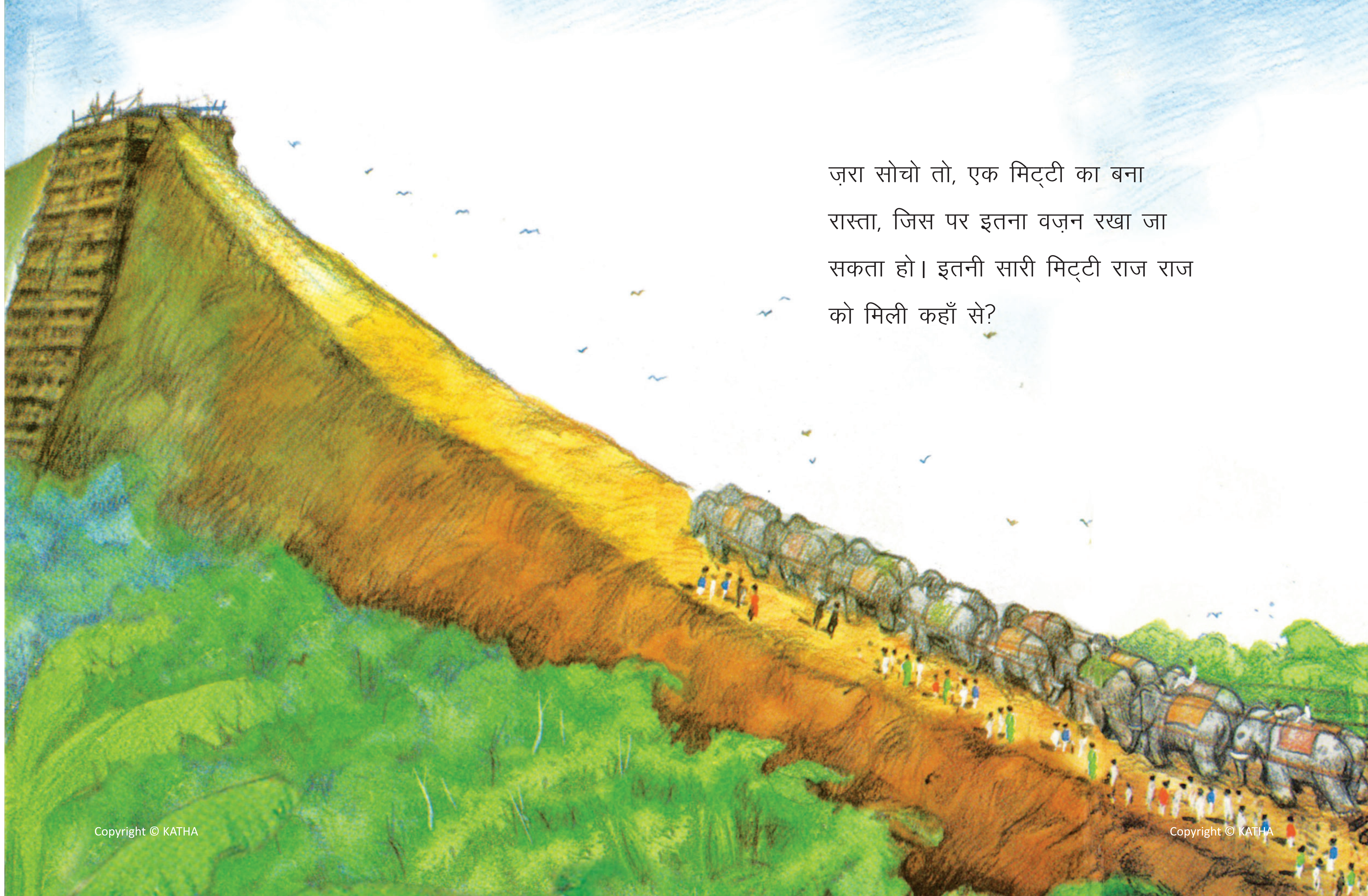

ज़रा सोचो तो, एक मिट्टी का बना रास्ता, जिस पर इतना वज़न रखा जा सकता हो। इतनी सारी मिट्टी राज राज को मिली कहाँ से?

Copyright © KATHA

Copyright © KATHA

यह सब आज तक एक रहस्य है। अगर तुम कभी तमिलनाडु जाओ, तो तंजावुर में राज राज द्वारा बनाया हुआ, यह मंदिर ज़रूर देखना।

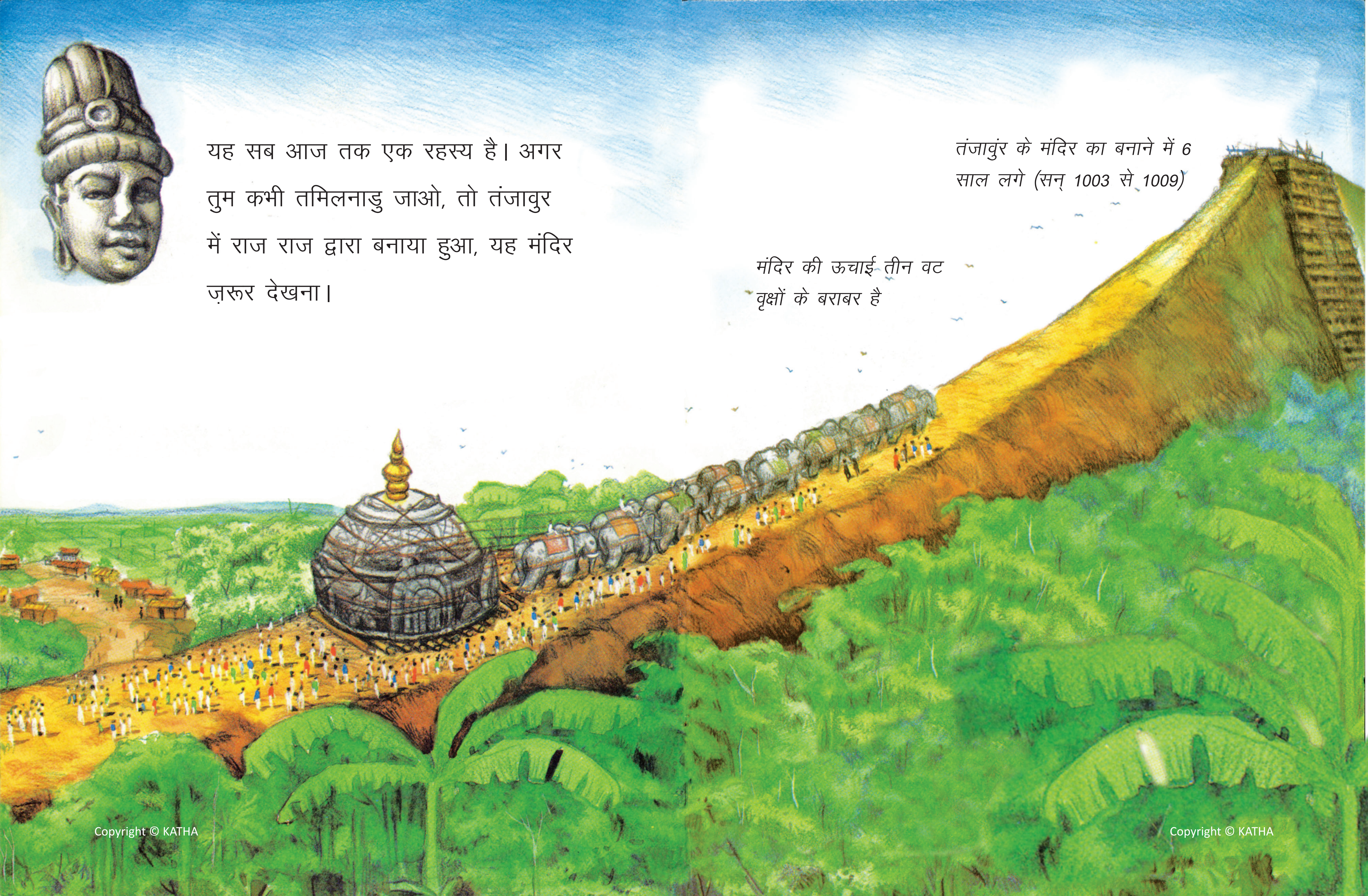

Copyright © KATHA
Copyright © KATHA

xhrk /kejktu बच्चों के लिए कहानियाँ लिखना पसंद करतीं हैं। वह *टारगेट* पत्रिका और *पेन्सिलवेनिया* विश्वविद्यालय की पत्रिका *पेन्सिलवेनिया गज़ेट* की संपादक भी रह चुकीं हैं। साहित्य एवं शिक्षा में किए गए इनके अद्वितीय योगदान के लिए, इन्हें सन् 2012 में राष्ट्रीय सम्मान पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

lCck ?k¨"k एक ऐसे कलाकार हैं, जिन्हें सन् 1999 में *भारत की संस्कृति मंत्रालय* के *जूनियर फेलोशिप* से सम्मानित किया गया है। यह *ललित कला अकादमी* द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार (1984) एवं *ग्राफिक्स'84 ऑल इंडिया एक्सहिबिशन ऑफ़ प्रिंट्स, नई दिल्ली* द्वारा पदक के हकदार हैं। इनका काम *राष्ट्रीय आधुनिक कला संग्रहालय, ललित कला अकादमी, म्यूजियम ऑफ़ ऑस्ट्रो–वीएलकोपोलस्की, पोलैंड,* और *सुरिकोव इंस्टिट्यूट ऑफ फाइन ऑर्ट्स, मास्को में* प्रदर्शित किया गया है।

Copyright © KATHA

Copyright © KATHA

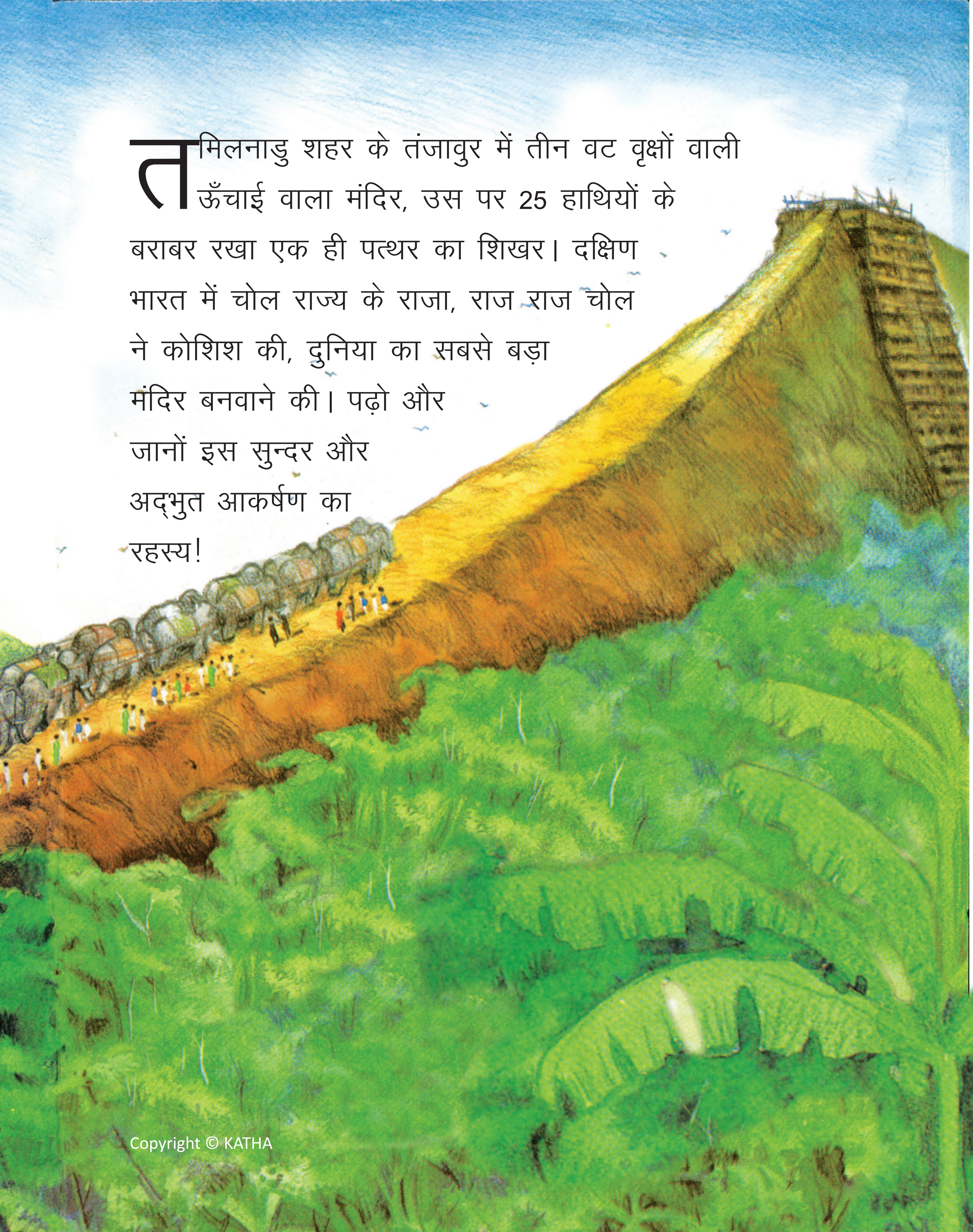

तमिलनाडु शहर के तंजावुर में तीन वट वृक्षों वाली ऊँचाई वाला मंदिर, उस पर 25 हाथियों के बराबर रखा एक ही पत्थर का शिखर। दक्षिण भारत में चोल राज्य के राजा, राज राज चोल ने कोशिश की, दुनिया का सबसे बड़ा मंदिर बनवाने की। पढ़ो और जानों इस सुन्दर और अद्भुत आकर्षण का रहस्य!

Copyright © KATHA